Bipin Nambiar
(SBI PO 2018)

Shiraz Khan
(SBI Clerk 2018)

Kuldeep Yadav
(SBI PO 2018)

Rajat Saxena
(IBPS Clerk 2018)

Anupam Tyagi
(IBPS PO 2018)

FRIENDS!
WE USED **TESTZONE**
AND CRACKED BANK EXAMS

बैंक परीक्षाओ के लिए निश्चित
रूप से सर्वश्रेष्ट मॉक
टेस्ट सीरीज

IT'S YOUR TURN NOW
TAKE A **FREE** MOCK TEST

Smartkeeda
The Question Bank

Passage Test for RRB Scale I Mains & RRB Office Assistance Mains

Hindi Passage Quiz 6

दिशानिर्देश: निम्नलिखित गद्यांश का ध्यानपूर्वक अध्ययन करें तथा दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर दें:

मनुष्य के जीवन में लक्ष्य का होना बहुत आवश्यक है। लक्ष्य के बिना जीवन दिशाहीन तथा व्यर्थ ही है। एक बार एक दिशाहीन युवा आगे बढ़े जा रहा था, राह में महात्मा जी की कुटिया देख रूककर महात्मा जी से पूछने लगा कि यह रास्ता कहाँ जाता है। महात्मा जी ने पूछा "तुम कहाँ जाना चाहते हो"। युवक ने कहा "मैं नहीं जानता मुझे कहाँ जाना है"। महात्मा जी ने कहा "जब तुम्हें पता ही नहीं है कि तुम्हें कहाँ जाना है, तो यह रास्ता कहीं भी जाए, इससे तुम्हें क्या फर्क पड़ेगा"। कहने का मतलब है कि बिना लक्ष्य के जीवन में इधर-उधर भटकते रहीये कुछ भी प्राप्त नहीं कर पाओगे। यदि कुछ करना चाहते तो पहले अपना एक लक्ष्य बनाओ और उस पर कार्य करो। अपनी राह स्वयं बनाओ, वास्तव में जीवन उसी का सार्थक है जिसमें परिस्थितियों को बदलने का साहस है।

गांधीजी कहते थे कुछ न करने से अच्छा है, कुछ करना। जो कुछ करता है वही सफल-असफल होता है। हमारा लक्ष्य कुछ भी हो सकता है, क्योंकि हर इंसान की अपनी-अपनी क्षमता होती है और उसी के अनुसार वह लक्ष्य निर्धारित करता है। जैसे विद्यार्थी का लक्ष्य है सर्वाधिक अंक प्राप्त करना तो नौकरी करने वालों का लक्ष्य होगा पदोन्नति प्राप्त करना, इसी तरह किसी महिला का लक्ष्य आत्मनिर्भर होना हो सकता है। ऐसा मानना है कि हर मनुष्य को बड़ा लक्ष्य बनाना चाहिए किन्तु बड़े लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए छोटे-छोटे लक्ष्य बनाने चाहिए। जब हम छोटे लक्ष्य प्राप्त कर लेते हैं तो बड़े लक्ष्य को प्राप्त करने का हममें आत्मविश्वास आ जाता है।

Smartkeeda
The Question Bank

स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि जीवन में एक ही लक्ष्य बनाओ और दिन-रात उसी के बारे में सोचो। स्वपन में भी तुम्हें वही लक्ष्य दिखाई देना चाहिए, उसे पूरा करने की एक धुन सवार हो जानी चाहिए, बस सफलता आपको मिली ही समझो। सच तो यह है कि जब आप कोई काम करते हैं तो यह जरुरी नहीं कि सफलता मिले ही लेकिन असफलता से भी घबराना नहीं चाहिए। इस बारे में स्वामी विवेकानंद जी कहते हैं कि हजार बार प्रयास करने के बाद भी यदि आप हार कर गिर पड़ें तो एक बार पुनः उठें और प्रयास करें, हमें लक्ष्य प्राप्ति तक स्वयं पर विश्वास रखना चाहिए।

1. जीवन में सही लक्ष्य का क्या महत्व है?

A. जीवन में सही लक्ष्य के बिना मनुष्य दिशाहीन होता है, बिना लक्ष्य के कोई भी कार्य सफल नहीं हो पाता।

B. लक्ष्य आसान चयन करना चाहिये जिससे कम से कम समय में धन अर्जित कर सकें।

C. लक्ष्य हमे संसारिक सुखो से परिचय करवाता है

D. लक्ष्य हमे दूसरों से बदला लेने में सहायता प्रदान करता है।

E. इनमें से कोई नहीं

2. स्वामी विवेकानंद जी लक्ष्य प्राप्ति के लिये क्या प्रेरणा देते है?

A. लक्ष्य का चयन जल्दी करना चाहिए।

B. लक्ष्य आसान चयन करना चाहिए।

C. बड़े-बड़े लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये छोटे-छोटे लक्ष्य बनाना आवश्यक है।

D. हमें लक्ष्य प्राप्ति के लिये स्वयं पर विश्वास रखना चाहिए।

E. विकल्प B और D दोनों

3. "वास्तव में जीवन उसी का सार्थक है जिसमें परिस्थितियों को बदलने का साहस है" इस कथन के मध्यम से गान्धीजी हमें क्या समझाना चाहते है?

A. हमे परिस्थिति के अनुसार लक्ष्य में परिवर्तन करना चाहिये।

B. परिस्थिति को अपने अनुकुल होने की प्रतीक्षा करनी चाहिये।

C. परिस्थिति को बदलने की कोशिश करनी चाहिये।

D. लक्ष्य का परिस्थिति के अनुसार चयन करना चाहिये।

E. उपरोक्त सभी

Smartkeeda
The Question Bank

4. असफलता से हमें क्या सीख मिलती है?

A. असफलता हमे अपनी क्षमताओं का बोध कराती है

B. उस लक्ष्य को पाना असम्भव है

C. लक्ष्य का गलत चुनाव हमें असफल बनाती है

D. असफलता केवल यह सिद्ध करती है कि सफलता का प्रयास अच्छी तरह नहीं किया गया

E. इनमें से कोई नहीं

5. सफल होना किस बात पर निर्भर करता है?

A. किसी जाति-विशेष पर B. सुगम लक्ष्य पर C. परिस्थितियों पर

D. दृढ-निश्चय पर E. विकल्प B और C दोनों पर

6. परिस्थिति अगर प्रतिकूल हो तो व्यक्ति को कैसे काम लेना चाहिये?

A. धैर्य से काम करना चाहिये। B. जल्दबाजी से कार्य समाप्त करना चाहिये।

C. समय का इन्तजार करना चाहिये। D. लक्ष्य में बदलाव लाना चाहिये।

E. A और C दोनों

7. दिए गए गद्यांश में शब्द "पदोन्नति" का विलोम क्या है?

A. पदावनत B. उन्नति C. पालक

D. उन्नत E. D और A दोनों

8. गद्यांश में प्रयुक्त शब्द “सार्थक” का पर्यायवाची निम्न में से कौन नहीं है?

A. सफल B. सिद्ध C. मुफिद

D. सरल E. C और B दोनों

9. गद्यांश में प्रयुक्त शब्द “महर्षि” में कौन समास है?

A. सम्प्रदान B. बहुव्रिहि C. द्विगु

D. कर्म्धारय E. द्विगु

10. गद्यांश में दिया गया शब्द “निराशा “का सन्धि विच्छेद क्या होगा?

A. नी + आशा B. नि: + आशा C. नी: + आशा

D. निर: + आशा E. उपरोक्त सभी

Smartkeeda
The Question Bank

Correct answer:

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
A	D	C	D	D	A	A	D	D	B

Explanation:

1. दिए गए विकल्पों से ज्ञात होता है कि,

विकल्प A में मनुष्य का जीवन एक ऐसी धारा है, जिसे लक्ष्य निर्धारण द्वारा उचित दिशा में मोड़ा जा सकता है। लक्ष्यहीन मनुष्य पशु तुल्य है, अतः विकल्प A सही चयन है।

विकल्प B में लक्ष्य को निर्धारित करते समय धन अर्जन करने की मंशा घातक सिद्ध हो सकती है, सफलता का कोई सुगम मार्ग नहीं होता, जो की गद्यांश के अनुसार एक सही कथन नहीं है। अत: विकल्प B एक गलत चयन है।

विकल्प C में लक्ष्य संसारिक सुखो का साधन नहीं हो सकता लक्ष्य हमे खुद से परिचय करने का मौका देता है, जो कि गद्यांश के अनुसार सही चयन नहीं है। अतः विकल्प C गलत चयन है।

विकल्प D में लक्ष्य का चयन किसी से बदला लेने की नियत से नहीं करना चाहिये क्योंकि बुरी नियत से किया गया कोई भी कार्य सफल नहीं हो पाता जो कि गद्यांश के अनुसार एक गलत निष्कर्ष है। अतः विकल्प D एक गलत चयन है।

अतः विकल्प A सही चयन है।

Smartkeeda
The Question Bank

2. **स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि जीवन में .....”** इस पद से यह ज्ञात होता है कि,

विकल्पों A तथा B में वर्णित निष्कर्ष किसी का कथित कथन नहीं है, इसीकारण दोनों विकल्प में से किसकी का भी चयन गलत है।

विकल्प C में दिया कथन गान्धीजी द्वारा कहा गया है, इसलिये यह भी एक गलत चयन है।

विकल्प D एक सही चयन है जो कि स्वामी विवेकानंद जी ने कहा है।

अतः सही चयन विकल्प D होगा।

3. दिए गए विकल्पों में

विकल्प C में, जीवन में परिस्थिति सर्वदा हमारे अनुकुल नहीं रहती, हमे परिस्थितियो का सामना करना चाहिये और उसे बदलने की हरसंभव प्रयास करना चाहिये, तभी हम अपने लक्ष्य को अर्जित कर पायेंगे, यह आशय निहित है, इसलिये C एक सही चयन है।

विकल्प A में, परिस्थिति के अनुसार लक्ष्य में बदलाव करने से हम सर्वदा सफलता के मार्ग में भटकते रह जायेंगे। अतः यह एक गलत चयन है।

विकल्प B में, सही परिस्थिति के इन्तजार में हम अपना बहुमुल्य समय व्यतीत कर देंगे, जो असफलता का कारण बन सकता है, अत: यह भी एक गलत चयन है।

विकल्प D में, लक्ष्य कभी भी परिस्थिति अनुसार नहीं बल्कि अपने रुचि के अनुसार चयन करना चाहिये, अतः यह भी एक गलत चयन है।

अतः सही चयन विकल्प C होगा।

4. दिए गए गद्यांश के अनुसार, रविन्द्र नाथ टैगोर का कहना था कि "तुम्हारा भाग्य दोष तुम्हारे ललाट के पसीने से धुलेगा" अर्थात भाग्यवादी मत बनो कर्म को प्रधानता दो, ललाट के पसीने का तात्पर्य ही कर्म है और ललाट को ही देखकर भाग्य का निर्णय लिया जाता है । यानि जो मेहनत करेगा उसे सफलता मिलेगी । असफलता कोई अभिशाप नहीं है बल्कि जो काम आपने नहीं किये उसके लिए चेतावनी मात्र है।

असफलता केवल यह सिद्ध करती है कि सफलता का प्रयास अच्छी तरह नहीं किया गया।

अतः विकल्प D सही चयन है।

5. उपरोक्त गद्यांश के अध्ययन से ज्ञात होता है कि, जीवन के किसी भी क्षेत्र में सफलता का मूल मंत्र व्यक्ति की दृढ़ इच्छाशक्ति, अटूट विश्वास एवं एकनिष्ठ प्रयास है अन्य बातें समान होने पर भी अनेक व्यक्तियों में से वही सफल होता है, जिसकी इच्छाशक्ति सबसे प्रबल और अधिक होती है। सफलता का इतिहास लिखने वाले सभी व्यक्तियों ने इसी गुण के बल पर महान् सफलताएँ अर्जित कीं। उनमें भले ही अन्य गुण न रहे हों, चाहें उनमें कुछ दुर्बलताएँ भी क्यों न रही हों परंतु अटूट निश्चय एवं दृढ़ इच्छाशक्ति द्वारा वे भीषण बाधाओं के बीच भी निरंतर संघर्ष करते रहे और अंततः उन्नति के महान् शिखरों पर आरुढ़ हुए। इसलिये विकल्प D एक सही चयन है।

अन्य विकल्पों में, विकल्प A में मनुष्य की काबिलियत उसके कठोर परिश्रम पर निर्भर करता है ना की किसी जाति विशेष पर, इसलिये यह एक गलत चयन है। विकल्प B, C में परिस्थिति और लक्ष्य का चुनाव को जिम्मेदार ठहराना गलत है, व्यक्ति चाहे तो परिस्थितियों से लड़कर सफलता हासिल कर सकता है। इसलिये यह एक गलत चयन है।

अतः विकल्प D सही चयन होगा।

6. उपरोक्त गद्यांश के अध्ययन से, अगर परिस्थितियाँ प्रतिकूल हो तब इंसान को अपने धैर्य से काम करना चाहिए।

अतः विकल्प A सही चयन है।

7. शब्द "पदोन्नति" का अर्थ होता है पद में उन्नति। इसका विलोम पदावनत होगा जिसका अर्थ होता है जो अपने पद से अवनत कर दिया गया हो या निम्न पद पर नियुक्त कर दिया गया हो इसलिये सही चयन A होगा।

अन्य विकल्पों में, “उन्नति” का अर्थ होता है किसी चीज में आगे बढ़ना, विकल्प C में दिए गए शब्द “पालक” का अर्थ होता है पालने वाला, तथा विकल्प D में दिया गया शब्द “उन्नत “का अर्थ होता है आगे बढा हुआ।

अतः विकल्प A सही चयन है।

8. शब्द "सरल" का अर्थ होता है आसान तथा शब्द "सार्थक" का अर्थ होता है जो काम सिद्ध हुआ हो। अतः "सरल" सार्थक का पर्यायवाची शब्द नहीं है।

अतः विकल्प D सही चयन है।

9. शब्द महर्षि का अर्थ होता है महान ऋषि, अथवा एक ऐसा ऋषि जो महान हो, यहां ऋषि की विशेषता महानता है ।

वह समास जिसका पहला पद विशेषण एवं दूसरा पद विशेष्य होता है अथवा पूर्वपद एवं उत्तरपद में उपमान - उपमेय का सम्बन्ध माना जाता है कर्मधारय समास कहलाता है। अतः "महर्षि" में कर्मधारय समास है।

अतः विकल्प D सही चयन है।

10. विसर्ग से पहले अ, आ को छोड़कर कोई स्वर हो और बाद में कोई स्वर हो, वर्ग के तीसरे, चौथे, पाँचवें वर्ण अथवा य्, र, ल, व, ह में से कोई हो तो विसर्ग का र या र् हो जाता ह। विसर्ग के साथ ‘श’ के मेल पर विसर्ग के स्थान पर भी ‘श्’ बन जाता है। जैसे-दुः + शासन = दुःशाशन।

अतः शब्द "निराशा" का संधि-विच्छेद "निः + आशा" होगा।

अतः विकल्प B सही चयन है।

Smartkeeda
The Question Bank

SmartKeeda
The Question Bank

Presents

TestZone

India's least priced Test Series platform

JOIN

ALL BANK EXAMS

2020-2021 Test Series

@ Just

₹599/-

300+ Full Length Tests

- ☑ Brilliant Test Analysis
- ☑ Excellent Content
- ☑ Unmatched Explanations

JOIN NOW